'स्वरचित' - काव्य स्पर्धा

- कवितेचे शीर्षक : - संगीत
- कवी / कवयित्रीचे नाव :- सौ. प्रशंसा देशपांडे

ताल तुम हो, सूर तुम हो
हर महफिल का,
तख़्त-ओ-ताज तुम हो..
सप्तस्वरों में सजी, मूरत तुम हो !

प्यार तुम हो, पूजा तुम हो
परमात्मा की पहली,
आगाज तुम हो..
रूह से निकली, हर फरियाद तुम हो !

गीत तुम हो, गजल तुम हो
सुरों में लेहँराती,
शेहँनाज तुम हो..
आसमान में छुपी, चाँदनी तुम हो !

नदी तुम हो, झरना तुम हो
पहाड़ों में बसीं,
गूँज तुम हो..
जुस्तजू मेरी, आखरी तुम हो !

आहत तुम हो, अनाहत तुम हो
संगीत का,
सरताज तुम हो..
हर पल का एहसास तुम हो !

Arihant Music Therapy